भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा विश्व पशु-चिकित्सा दिवस आयोजित

भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर में 27 अप्रैल को विश्व पशु-चिकित्सा दिवस मनाया गया। डॉ. जी. मल, स्टेशन प्रभारी ने इस वर्ष चयनित विषय "वैक्सीन का महत्व" के अंतर्गत जानकारी दी। किसानों की सेवा में प्रयासरत भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान के उल्लेखनीय योगदान का विवरण प्रस्तुत करते हुए स्टेशन प्रभारी ने बताया कि जितनी भी पशु वैक्सीन हैं, अधिकाँश इस संस्थान द्वारा विकसित की गयी हैं। स्टेशन प्रभारी ने जानकारी दी कि वैक्सीन सह-औषध से सम्बंधित एक परियोजना क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर में भी जारी है। डॉ. बी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने विश्व पशु-चिकित्सा दिवस आयोजन करने का उदेश्य एवं महत्व पर भी चर्चा की। डॉ. यू. एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने वैक्सीन इतिहास की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. रिंकु शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसन्धान संस्थान द्वारा वैक्सीन क्षेत्र में की गई प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से सम्बंधित प्रतिभागियों को जानकारी दी। डॉ. रिंकु शर्मा ने विभिन्न किस्मों के कैंसर के लिए भी वैक्सीन निर्माण एवं अनुसन्धान की आवश्यकता जताई। डॉ. देवी गोपीनाथ, वैज्ञानिक ने पशुओं में उपयोग किये जाने वाले विभिन्न वैक्सीन से सम्बंधित चर्चा की। स्टेशन प्रभारी ने जानकारी देते हुए कहा कि आने वाले समय में जनसंख्या वृद्धि होने के कारण पशुओं से उच्च गुणवत्ता युक्त उत्पाद प्राप्त करने के लिए वैक्सीन का विशेष महत्व है। देशी गाय के दूध में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि एवं ए2 केसिन की प्रचुरता एवं प्रमाणिकता को देखते हुए निकट भविष्य में देशी गाय को दूध उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर पालने की असीम संभावनाएं हैं। इस अवसर पर संस्थान के सभी अधिकारियों, शोध छात्रों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। विश्व पशु-चिकित्सा दिवस के आयोजन में डॉ. बी. सिंह, डॉ. रिंकु शर्मा, एवं डॉ. गौरी जैरथ ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने धन्यवाद प्रस्ताव में स्टेशन प्रभारी ने इस अवसर पर सम्मिलित सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया।